भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. †*101
सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग संबंधी पहल

†*101. श्री दुष्यंत सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग (एसजीएलआर) संबंधी पहल का ब्यौरा क्या है और इसका उद्देश्य भारत के बढ़ते पर्यटन उद्योग में स्वच्छता और सफाई संबंधी पद्धतियों में किस प्रकार क्रांतिकारी बदलाव लाना है और इससे देश में सतत पर्यटन को किस प्रकार बढ़ावा मिलता है;

(ख) इससे आतिथ्य सत्कार संबंधी सुविधाओं में उच्च स्वच्छता मानकों को अपनाने के लिए किस प्रकार प्रोत्साहन मिलता है;

(ग) एसजीएलआर ढांचे के प्रमुख घटक क्या हैं और यह स्वच्छ भारत मिशन तथा मिशन लाइफ के अंतर्गत ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल) कार्यक्रम के अनुरूप किस प्रकार है और इससे भारत के पर्यटन क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है; और

(घ) पर्यटन स्थलों पर सौंदर्य और स्वच्छता के स्तर को बढ़ाकर पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में आतिथ्य सत्कार उद्योग की क्या भूमिका है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री दुष्यंत सिंह द्वारा स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग संबंधी पहल के संबंध में दिनांक 28.07.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के मौखिक प्रश्न सं. †*101 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (घ): पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से आतिथ्य सुविधाओं के लिए 'स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रणाली' (एसजीएलआर) शुरू की है।

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रणाली (एसजीएलआर) आतिथ्य प्रतिष्ठानों को स्वच्छता के लिए बेहतर प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है ताकि वे अपनी सुविधाओं को स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग प्रणाली (एसजीएलआर) के अनुरूप बना सकें और 1 लीफ से 5 लीफ तक की स्वच्छता ग्रीन रेटिंग प्राप्त कर सकें। यह पर्यटकों के लिए विश्व स्तरीय स्वच्छता और सफाई संबंधी सुविधाएं प्रदान करने पर जोर देती है, जो स्वच्छ और अधिक टिकाऊ पर्यटन प्रथाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पर्यटन, जिसका कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख योगदान रहता है, केवल मनोरम दृश्यों पर ही निर्भर नहीं है बल्कि यह स्वच्छता के उत्कृष्ट मानकों पर भी निर्भर करता है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ-साथ, अपशिष्ट का प्रबंधन करने और जन स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता संबंधी जोखिमों को कम करने की बड़ी चुनौतियाँ सामने आती हैं। स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम (एसजीएलआर) एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभर कर सामने आया है, जिसने आतिथ्य प्रतिष्ठानों को इस बात के लिए प्रेरित किया है कि वे "सुरक्षित रूप से प्रबंधित स्वच्छता" के समान पद्धतियों को अपनाएं। स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम (एसजीएलआर) पहल से भारतीय पर्यटन के लिए एक स्वच्छ और अधिक बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ है जिससे इसमें स्वैच्छिक रूप से भाग लेने वाली संपत्तियों की ब्रांडिंग के साथ-साथ ज़िम्मेदार और पर्यावरण-अनुकूल आतिथ्य की भावना एक प्रतीक के रुप में उभरी है। यह ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थायी स्वच्छता पद्धतियों को हासिल करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम (एसजीएलआर) पर्यटकों और व्यवसायियों दोनों को प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करता है। एसजीएलआर कार्यक्रम का उद्देश्य एक आर्थिक रूप से व्यवहार्य, ज़िम्मेदार और लचीला पर्यटन उद्योग विकसित करना है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, 1650 से अधिक आतिथ्य सुविधाओं को एसजीएलआर रेटिंग दी गई है।

यह कार्यक्रम पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) द्वारा राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ मिलकर राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय समितियों के माध्यम से आतिथ्य प्रतिष्ठानों के मूल्यांकन और प्रमाणन के लिए कार्यान्वित किया जाता है। प्रमाणन के घटकों में अन्य बातों के अलावा, ग्रे वाटर मैनेजमेंट (जीडब्ल्यूएम), फेकल स्लज मैनेजमेंट (एफएसएम) और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (एसडब्ल्यूएम) शामिल हैं।

स्वच्छ भारत मिशन में जन भागीदारी के माध्यम से स्वच्छ भारत की दिशा में आगे बढ़ने की आकांक्षा की गयी है। पर्यटन आतिथ्य क्षेत्र को भारत में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ पर्यटन पद्धतियों में स्वेच्छा से भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यह पहल मिशन लाइफ के तहत पर्यटन मंत्रालय की ट्रैवल फॉर लाइफ संबंधी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी के नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदार पर्यटन पहल भी शुरू की है। इस पहल के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय का उद्देश्य गंतव्यों में पर्यटकों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाना है। यह पहल पर्यटन के महत्व, आम स्वच्छता, स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्थिरता और पर्यटकों को आतिथ्य और देखभाल के उच्चतम मानक प्रदान करने के महत्व के बारे में भी जागरूकता उत्पन्न कर रही है।

*****